एक परिचय

वाचाओं की धारणा को समझे बिना बाइबल को नहीं समझा जा सकता है, क्योंकि बाइबल का संदेश ही कुछ महत्वपूर्ण वाचाओं के इर्द-गिर्द घूमता है। जो आशिषें हम मसीह में पाते हैं वे भी एक प्राचीन वाचा का पूरा होना और हमारे साथ बांधी गई यीशु की अन्तिम वाचा ही है।

वाचा, की गई प्रतिज्ञा या समझौते को कहा जाता है। इब्रानी शब्द का अनुवाद ''वाचा'' (*berith*) इब्रानी शब्द *बाराह* (*barah*) से लिया गया है जिसका अर्थ ''काटना'' या ''के साथ रोटी खाना'' है। इसे ''बन्धन'' के लिए शब्द *beritu* और *biret* से भी जोड़ा गया है जिसका अर्थ ''बीच'' है।

लोगों और जातियों के अलावा परमेश्वर ने नूह, इब्राहीम, दाऊद और अन्य व्यक्तियों के साथ वाचाएं बांधीं। इनमें सबसे प्रसिद्ध पुरानी और नई वाचा है जिन्हें परमेश्वर ने क्रमश: इस्राएल के साथ और मसीही लोगों के साथ बांधा है। इनमें से कुछ वाचाओं से उन लोगों को सीधा लाभ हुआ जिनके साथ परमेश्वर ने वे बांधी थीं। अन्य वाचाएं उनकी अगली पीढ़ियों के लिए थीं, जिन्हें उनके पूर्वजों के साथ बांधी गई वाचा के कारण आशीष मिलनी थी।

न केवल परमेश्वर ने मनुष्यों के साथ वाचा बांधी बल्कि मनुष्यों ने भी एक दूसरे के साथ वाचाएं बांधी हैं। पुराने नियम की वाचाओं की विशेषताएं अलग-अलग थीं, परन्तु उनमें से अधिकतर वाचाएं दो पक्षों के बीच किए गए वैधानिक इकरारनामे की ज़िम्मेदारियां थीं।

कुछ वाचाओं की शर्तें बराबर के एक या दो पक्षों द्वारा ठहराई जाती थीं और बाद में दोनों पक्षों द्वारा स्वेच्छा से उन्हें मान लिया जाता था। एक अन्य प्रकार की वाचा में आशीषें लेने वाले पर बिना कोई शर्त रखे आशीष देने वाले की प्रतिज्ञा होती थी।

जब दोनों पक्ष बराबर के न हों, तो बड़ा पक्ष छोटे पर वाचा की शर्तें ठहरा सकता था। ऐसी वाचाओं में छोटे पक्ष से आज्ञा मानने की शर्त रखी जाती थी। इनमें प्राय: उस वाचा को मानने की आशीषें या वाचा को तोड़ने के गंभीर परिणाम शामिल होते थे।

वाचा की शर्तें मान लेने पर, वे शर्तें कई प्रकार से वैधानिक रूप में मान्य हो जाती थीं। समझौते को एक दूसरे से शपथ लेकर, इकट्ठे भोजन लेकर, या वाचा का कोई चिह्न देकर

पक्का कर दिया जाता था। वाचा से बन्धा व्यक्ति पत्थरों का ढेर बना सकता था या उपहार चिह्न दे सकता था, जो कोई निजी वस्तु भी हो सकती थी। कई बार, वाचा बांधने वाले किसी ऐसे समारोह में भाग लेते थे जिसमें किसी पशु या पशुओं के अंगों के बीच से गुजरना शामिल होता था।

वाचाएं पक्की करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले कार्यों के सांकेतिक अर्थ होते थे। उदाहरण के लिए, वाचा को जारी रखने के लिए नमक का सांकेतिक इस्तेमाल किया जाता था; जिस प्रकार नमक वस्तु को खराब होने से बचाता है, वैसे ही वाचा को भी सम्भालकर रखना होता था। बंटे हुए पशु के अंगों के बीच से निकलने का अर्थ यह था कि जो इस वाचा का उल्लंघन करेगा उसके भी ऐसे ही टुकड़े-टुकड़े कर दिए जाएंगे। भोजन खाना भाइचारे में विश्वास को दिखाता था जो वाचा बांधने वाले दोनों पक्षों पर लागू होता था। वाचा के समझौते के रूप में दिया गया उपहार या पत्थरों का ढेर वाचा को याद दिलाने का काम करता था। वाचा बांधने के लिए लहू का मोल दिया जाता था। लहू बहाना वाचा के अत्यधिक महत्व की ओर संकेत करता था।

बाइबल अध्ययन करते हुए, हमें बराबर के लोगों द्वारा, एक व्यक्ति और समूह या किसी जाति के बीच, दो समूहों के बीच वाचाएं बांधने की बातें मिलेंगी। हम लोगों द्वारा अपने मन से और परमेश्वर के साथ बांधी वाचाओं को देखेंगे। परन्तु, बाइबल में प्रमुख वाचाएं वे हैं जो परमेश्वर ने लोगों के साथ बांधी थीं। आइए अब हम उन विशेष वाचाओं का अध्ययन करते हैं जो परमेश्वर ने व्यक्तियों के साथ, चुनी हुई जाति के साथ, और सब लोगों के साथ बांधीं।